“पाली शब्दों और बौद्ध सिद्धांतों की शब्दावली”

“बोधि-पक्खिय-धम्म – बोधि/ज्ञान के 37 कारक” (जब अभ्यास किया जाता है तो मुक्ति मिलती है यानी दुखों का अंत होता है।)	
चार सतीपट्ठान	
सतीपट्ठान	ध्यानपूर्वक उपस्थित रहना ; समझ के साथ उपस्थित होना
1. शरीर/कायानुपस्सना	
महाभूत: 1. पथविधातु 2. अपोधातु 3. तेजोधातु 4. वयोधातु	**4 तत्व:** 1. पृथ्वी तत्व 2. जल तत्व 3. अग्नि तत्व 4. वायु तत्व
सिवाथीक-द्वार	मुर्दाघर का चिंतन: कब्रिस्तान द्वार; मुर्दाघर मैदान का प्रवेश द्वार
सती	सचेतनता; उपस्थिति; स्मरण; जागरूकता
2. वेदनानुपस्सना/वेदना	
काया-पसद्धी	शारीरिक शांति; भावना, धारणा और सोच के तीन समुच्चय में संकट का शांत होना।
दुख-वेदना	दर्दनाक अनुभूति; अप्रियता की अनुभूति; बुरा अनुभव
सुख-वेदना	आरामदायक अहसास; सुखद अनुभूति; अच्छा अनुभव हुआ
अदुखम-असुख-वेदना	न दुखद, न सुखद अनुभूति; तटस्थ भावना
3. चित्तानुपस्सना	
चित्तानुपस्सना	मन को देखना; मन का चिंतन

“पाली शब्दों और बौद्ध सिद्धांतों की शब्दावली”

चित्त	मन, चेतना, मानसिक स्थिति (कभी-कभी मानस या विज्ञान के पर्यायवाची के रूप में उपयोग किया जाता है।)
4. धम्मानुपस्सना	
धम्म	मानसिक गुण, संग्रह, आदि
समाधि	मन की पूर्ण शांति; मन की स्थिरता; मन की शांति; मानसिक शांति
सिद्धांतों का अवलोकन	
पंच-नीवरण	5 बाधाएँ, 5 रुकावटें ; अवरुद्ध करना, 5 पर्दे
कामछंद	कामनायें, इंद्रिय-सुख के भोग में रस/रुचि , इंद्रिय सुख का आवेग
व्यापाद-नीवरण	दुर्भावना, दुर्भावना की बाधा, नापसंद/घृणा करने की बाधा
तिन-मिद्धा	आलस, प्रमाद, नीरसता, फजीपन, सुस्ती
उधच्च	बेचैनी और घबराहट
कुकुच्छा	आत्म-ग्लानि, खेद, पश्चाताप
विचिकित्सा	संशय, संदेह
5 समुच्चय	
खंधा	द्रव्यमान; ढेर; आयतन; एकत्रीकरण, संयोजन
रूप	शरीर या रूप: पदार्थ; भौतिक वस्तु; भौतिकता; सामग्री का अनुभव दुनिया; चेतना की भौतिक वस्तुएँ; पांच समुच्चयों में से पहला
वेदना	(सुखद, अप्रिय या न्यूट्रल /असुखद-अदुखद) - अनुभव; अनुभूति; संवेदना; पांच समुच्चयों में से दूसरा; लपट/जल रहा , जानने का कारण
संन्या	समझना (के रूप में)/(के संबंध में) नजरिया या धारणा का होना (का)/(के प्रति जागरूक)/(के बारे में पता)

“पाली शब्दों और बौद्ध सिद्धांतों की शब्दावली”

संखारा	संस्कार, जमा , पहले से तैयार, एक साथ रखा हुआ।
विन्यान	जागरूकता; चेतना; दिमाग; पाँच समुच्चयों में से पाँचवाँ
किलेश	रस्सी; गहरा संबंध; बेड़ी; बंधन
पटिपस्सति	देखता है; अपने भीतर देखता है (वह); आंतरिक रूप से देखता है (वह)

अंग	चेतना	वस्तु
अक्खी/आंख	चक्खु विन्यान	रूप/रूप
नासिका/नाक	घ्राण विन्यान	घ्राण/गंध
श्रोत/कान	श्रोत विन्यान	सड्डा/ध्वनि
जिव्हा/जीभ	जिव्हा विन्यान	रस/स्वाद
काया/शरीर	काया विन्यान	स्पर्श एवं संवेदना/भौतिक शरीर
मनो/मन	मनो विन्यान	मानसिक+वस्तु/भावनाएँ

(सत्त भोजङ्ग)-बोधि के सात कारक (जागृति, समझ)

सती	सचेतनता: स्मृति; यादाश्त ; स्मरण; ध्यान में रखते हुए; सचेतनता; उपस्थिति; स्मरण; जागरूकता
धम्म-विचय	वास्तविकता की जांच; स्थिति की जांच करना; शिक्षण का विश्लेषण करना
विरिया	कोशिश; ऊर्जा; पराक्रम ; शक्ति; संकलप शक्ति; दृढ़ निश्चय
पीती	ख़ुशी: ख़ुशी; हार्दिक खुशी; आनंद; प्यार महसूस होना; प्यारा एहसास
पसद्धि	शांत; शांति; शांतिकरण; शांति; शांति; शांति
समाधि	एकाग्रता या एकीकरण: मन की पूर्ण शांति; मन की स्थिरता; मन की शांति; मानसिक स्थिरता; स्थिरता; स्टेबलाइजर;
उपेक्खा	समभाव: उदासीन, अप्रभावित

सत्य

“पाली शब्दों और बौद्ध सिद्धांतों की शब्दावली”

अरिया-सच्च	दुख : बुद्ध का सत्य; महान/आर्य सत्य
समुदय-सच्च	दुःख की उत्पत्ति: दूसरा आर्य सत्य; उत्पत्ति का सत्य
निरोध-सच्च	दुख की समाप्ति: समाप्ति का सत्य; समाप्ति की वास्तविकता; तीसरा आर्य सत्य
मग्ग-सच्च	पथ का सत्य; चौथा आर्य सत्य
चार सम्यक प्रयत्न/प्रयास- (सम्मापधान)	
अनुप्पादया	जो उत्पन्न नहीं है , उन अकुशल स्थितियों/धर्मों को रोकना, निषेध करना, उत्पन्न होने से रोकना; अनुभवहीन
पहानया	पहले से ही उत्पन्न अकुशल स्थितियों/धर्मों को त्यागने का प्रयास
उपपादया	कुशल स्थितियों या धर्मों को उत्पन्न करने/बनाए रखने और बढ़ाने का प्रयास।
थितिया	गैर-भ्रम, वृद्धि, प्रचुरता, विकास, और उत्पन्न हुए कुशल गुणों/धर्मों की पराकाष्ठा
आध्यात्मिक शक्ति के चार आधार (चत्तारो इद्धिपाद)	
चत्तारो इद्धिपाद	सफलता का आधार; शक्तियों की राह; आध्यात्मिक शक्ति का आधार.
1. छंद	आकांक्षा; इरादा; (दिलचस्पी है; के लिए इच्छा); (की कामना); (को); आवेग (के लिए); सहमति; समझौता; अनुमोदन
2. वीर्य	कोशिश; ऊर्जा; पराक्रम ; शक्ति।
3. चित्त	मन, विचार
4. मीमांसा	जाँच करना; निर्णय; जाँच-पड़ताल; अलग-अलग करना; पसंद; अनुमोदन
पाँच आध्यात्मिक संकाय (पंच इंद्रिय)	
पंच इंद्रिय	समझ; मानसिक संकाय; शक्ति;
सद्धा	वफादार; आत्मविश्वासी; विश्वास करना; समर्पित; भरोसा करना; विश्वास होना

“पाली शब्दों और बौद्ध सिद्धांतों की शब्दावली”

विरिया	कोशिश; ऊर्जा; पराक्रम; शक्ति;
सती	यादाश्त ; स्मरण; ध्यान में रखते हुए; सचेतनता; उपस्थिति; स्मरण; जागरूकता
समाधि	मन की पूर्ण शांति; मन की स्थिरता; मन की शांति; मानसिक स्थिरता; स्थिरता; स्टेबलाइजर;
पन्या	बुद्धि; ज्ञान; समझ; अंतर्दृष्टि; विशिष्ट ज्ञान; बुद्धि से; समझ के साथ
पाँच शक्तियाँ (पंच बला)	
पंच बला	ताकत; शक्ति; पराक्रम ; बौद्धिक शक्ति; धम्म शक्ति; सेना; सैन्य बल
सद्धा बला	आत्मविश्वास की शक्ति; विश्वास की ताकत (में); (पर भरोसा); (विश्वास); दिल लगाना – संदेह पर काबू पाना
विरिया बला	कोशिश; ऊर्जा; पराक्रम ; शक्ति; -आलस्य पर काबू पाएं
सती बला	यादाश्त ; स्मरण; ध्यान में रखते हुए; सचेतनता; उपस्थिति; स्मरण; जागरूकता - सतर्क रहना
समाधि बला	मन की पूर्ण शांति; मन की स्थिरता; मन की शांति; मानसिक स्थिरता; स्थिरता; स्टेबलाइजर; - मन को शांत करना
पन्या बला	बुद्धि; ज्ञान; समझ; अंतर्दृष्टि; विशिष्ट ज्ञान; बुद्धि से; बुद्धि से; समझ के साथ - समझ के साथ
अरिया अट्ठंगिका मग्गा (आर्य अष्टांगिक मार्ग)	
सम्मा	उचित; सही; उत्तम
सम्मादिट्ठी	सही समझ: सही दृष्टिकोण रखना; सही दृष्टिकोण; सही विश्वास
सम्मासंकप्पा	सही इरादा: सही चेतना; सही इच्छा होना
सम्मावाचा	सम्यक वाणी: सही वाणी के साथ; सत्य बोलना
सम्माकम्मंता	सही कार्य: सही व्यवहार; उत्तम आचरण; अच्छे आचरण के साथ; नैतिक रूप से कार्य करना

“पाली शब्दों और बौद्ध सिद्धांतों की शब्दावली”

सम्माआजीवा	सम्यक आजीविका; जीविकोपार्जन का सही तरीका; सही आजीविका के साथ; जीविकोपार्जन का सही तरीका होना।
सम्माव्यायामा	सही प्रयास; ऊर्जा/सामर्थ्य ; सही प्रयास सही प्रयास के साथ; सही प्रयास करना
सम्मासती	सही मानसिकता: वर्तमान क्षण की सही जागरूकता के साथ; उत्तम स्मृति, सही सचेतनता; उत्तम उपस्थिति; सही जागरूकता
सम्मासमाधि	सही एकाग्रता/एकीकरण: मन की पूर्ण स्थिरता; सही मानसिक स्थिरता, मन की पूर्ण स्थिरता का होना; सही मानसिक स्थिरता के साथ
षलायतन	
षलायतन	छह इंद्रिय क्षेत्र; छह इंद्रिय आधार; छह इंद्रिय क्षेत्रों से संबंधित
चक्खु	आँख | रूप/आकृति
नासा/गंध	कान |ध्वनियों के प्रति जागरूकता
नास/ उसके पास	नाक | गंध
जिव्हा/रस	जीभ |स्वाद
काया	शरीर | मूर्त वस्तुएँ
चित्त	मन | सोच/विचार
पटिच्चसमुप्पदा (12 लिंक/जोड़)	
पटिच्चसमुप्पदा	एक कारण से एक साथ उत्पन्न होना; कार्य-कारण की शृंखला; आश्रित उत्पत्ति
अविज़्जा	अज्ञान; माया; नहीं जानना; समझ नहीं
संखारा	**मानसिक संरचनाएँ:** 1. **काया संखारा:** शारीरिक प्रक्रिया; शारीरिक कार्य/क्रिया; अंदर और बाहर सांस लेना 2. **वची संखारा:** मौखिक गठन (मन में); भाषा में विचार; आंतरिक संवाद; इरादा जिसके परिणामस्वरूप मौखिक कार्रवाई होती है।

“पाली शब्दों और बौद्ध सिद्धांतों की शब्दावली”

	3. **चित्त संखारा:** मानसिक गतिविधि; विचार निर्माण; भावना और धारणा; इरादा जिसका परिणाम मानसिक कर्म होता है
विन्यान	चेतना; जागरूकता; दिमाग; पांच समुच्चय में से पांचवां; जानना; समझ; विभाजित ज्ञान
नाम-रूप	नाम और रूप; नामकरण और भौतिकता; मानसिक और शारीरिक घटनाएँ; चेतना की भौतिक और मानसिक वस्तुएँ
षलायतन	छह इंद्रिय अंग या क्षेत्र; छह इंद्रिय आधार
फस्स	संपर्क: इंद्रिय आघात; कच्चा अनुभव; छूना
वेदना	भावनाएँ (सुखद, अप्रिय या न्यूट्रल/असुखद-अदुखद), महसूस किया गया अनुभव; अनुभूति; संवेदना ; पांच समुच्चयों में से दूसरा; जानने का कारण
तन्हा	तृष्णा , लालसा के साथ (के लिए); इच्छा रखना (के लिए); प्यास के साथ
उपादान	चिपकना: ईंधन (आग के लिए); पास ले जाना; पकड़ना; चिपकना; प्राप्त करना; विनियोजन; कब्ज़ा लेना; पहचान बना लेना, आत्मसात करना
भव	बनना या होना; संसार, आपको होना चाहिए!, प्राणी बनने; अस्तित्व; अस्तित्व की अवस्था; बनने की प्रक्रिया,
जाति	जन्म; पुनर्जन्म; गर्भाधान; आयु; साल
जरा - मरणं	बुढ़ापा और मृत्यु; बुढ़ापा और मरना
शोक	दु:ख; कष्ट ; उदासी (अति/बहुत अधिक)
परिदेव	विलाप; विलाप करना; रोना
दुख-दोमनस्स	दर्द; असुविधा, बेचैनी; कष्ट; अप्रियता; कुछ असंतोषजनक; मुश्किल; एक बमर; तनाव असुविधा और संकट; दर्द और तनाव; शारीरिक कष्ट और मानसिक कष्ट
उपायास	तनाव; कष्ट; कठिनाई; मुश्किल; निराशा; चिढ़; परेशान होकर; आंतरिक अशांति
संभवन्ती	उत्पन्न या उत्पन्न किया हुआ।